# UP Board Solutions for Class 8 Hindi Chapter 11 आत्मनिर्भरता (मंजरी)

**प्रश्न-अभ्यास**

**विचार और कल्पना**

**प्रश्न 1.**
आदर्श व्यक्ति के चरित्र में कौन-कौन से गुण आवश्यक हैं?
**उत्तर :**
आदर्श व्यक्ति के चरित्र में नम्रता, स्वतन्त्रता, कोमलता, उच्च लक्ष्यता, दृढ़ निश्चय, स्वावलम्बन, साहस और परिश्रमशीलता आदि गुण होने चाहिए।

**प्रश्न 2.**
नम्रता और दब्बूपन में क्या अन्तर होता है?
**उत्तर :**
नम्रता से आशय बड़ों को सम्मान करना और छोटे तथा बराबर वालों से अहंकार रहित होकर कोमलता के व्यवहार से है। देब्बूपन से आशय दूसरों पर आश्रित होकर उनके पीछे चलना है। ऐसी करने से संकल्प शक्ति क्षीण और बुद्धि मन्द हो जाती है, जिससे मनुष्य अवनति को प्राप्त होता है।

**प्रश्न 3.**
**नोट-** विद्यार्थी स्वयं करें।

**निबन्ध से**
**प्रश्न 1.**
इंस पाठ का उद्देश्य क्या है? सही विकल्प का चिह्न **(✓)** लगाइए।
**(क)** युवाओं में नई स्फूर्ति भरना।
**(ख)** युवाओं को कर्म में लगाना।
**(ग)** युवाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देना। **(✓)**
**(घ)** युवाओं को महापुरुषों के जीवन के प्रेरक-प्रसंगों की जानकारी देना।

**प्रश्न 2.**
निम्नलिखित पंक्तियों को आशय स्पष्ट कीजिए

नम्रता ही स्वतन्त्रता की धात्री या माता है।
**अर्थ** – नम्रता से ही व्यक्ति स्वतन्त्रता के गुण को प्राप्त करता है। अहंकार करने वाला स्वतन्त्र नहीं रह सकता। स्वतन्त्रता के गुण के लिए बड़ों का सम्मान और छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करना चाहिए।

युवाओं को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं।
**अर्थ** – मनुष्य की इच्छाएँ उसके साधन और क्षमता से ज्यादा हैं।

मनुष्य का बेड़ा उसके हाथ में है, उसे वह चाहे जिधर लगाये।
**अर्थ** – मनुष्य स्वयं अपने भाग्य का निर्माता है। वह चाहे तो उन्नति कर सकता है और चाहे अपने को गर्त में गिरा सकता है।

अध्यवसायी लोगों ने अपनी समृद्धि का मार्ग निकाला है।
**अर्थ** – पुरुषार्थी लोगों ने अपने प्रयत्नों से उन्नति का मार्ग प्रशस्त किया है।

**प्रश्न 3.**
उपन्यासकार स्टॉक ने अपना ऋण किस तरह उतारा?
**उत्तर :**
उपन्यासकार स्टॉक ने स्वयं अपनी प्रतिभा का सहारा लेकर अनेक उपन्यास थोड़े समय के बीच लिखकर लाखों का ऋण अपने सिर से उतार दिया।

**प्रश्न 4.**
समूह 'ख' का कौन-सा शब्द वाक्यांश समूह 'क' में दिए गए किन से सम्बन्धित है? छाँटकर समूह 'क' के सम्मुख लिखिए।
**उत्तर :**

| समूह 'क' | समूह 'ख' |
|---|---|
| हरिश्चन्द्र | सत्यवादी |
| महाराणा प्रताप | अधीनता नहीं स्वीकार की |
| हनुमान | सीता की खोज |
| कोलम्बस | अमेरिका की खोज |
| शिवाजी | छापामार युद्ध |
| एकलव्य | धनुर्धर |

**भाषा की अत**
**प्रश्न 1.**
आत्मसंस्कार' शब्द से 'संस्कार' के पूर्व 'आत्म' शब्द जुड़ा हुआ है। दिये गये शब्दों के पूर्व 'आत्म' लगाकर नए शब्दों की रचना कीजिए
**उत्तर :**

| शब्द | | 'आत्म' शब्द जोड़कर नए शब्द |
|---|---|---|
| परिचय | – | आत्मपरिचय |
| चिन्तन | – | आत्मचिन्तन |
| निर्भर | – | आत्मनिर्भर |
| बोध | – | आत्मबोध |
| कथन | – | आत्मकथन |

https://www.evidyarthi.in/

**प्रश्न 2.**
निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखकर इनका वाक्य में प्रयोग कीजिए
**उत्तर :**
**मुँह ताकना** = (दूसरों का सहारा हूँढना।) आलसी आदमी दूसरों का मुँह ताकते हैं।
**अपने पैरों के बल खड़ा होना** = (अपने सहारे रहना।) अपने पैरों के बल खड़ा होना स्वाभिमानी मनुष्य के लिए आवश्यक है।
**दृष्टि नीची होना** = (मान हानि होना।) अपराध के लिए पकड़े जाने पर उसकी दृष्टि नीची हो गई।
**सिर ऊपर होना** = (गर्व अनुभव होना।) महाराणा प्रताप के रणकौशल से राजपूतों का सिर ऊँचा हो गया।
**अपने हाथ में अपना भाग्य होना** = (स्वयं अपना भाग्य बनाना।) इतिहास साक्षी है कि मनुष्य अपना भाग्य स्वयं ही बनाता है।
**कठपुतली बनना** = (आश्रय पर रहना।) वह उसके हाथ की कठपुतली बना हुआ है।
**हृदय पर हाथ रखना** = (हिम्मत दिखाना।) सुरक्षाकर्मी ने हृदय पर हाथ रखकर आतंकी से लोहा लिया।

**प्रश्न 3.**
जीवननिर्वाह' समास पद का विग्रह है-'जीवन का निर्वाह'। सामासिक शब्द बनाने पर का' कारक-चिह्न का लोप हो जाता है। का' सम्बन्ध कारक का चिह्न है। अतः यह सम्बन्ध कारक तत्पुरुष समास है। नीचे लिखे समास पदों का विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए
**उत्तर :**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **अहंकारवृत्ति** | = | अहंकार की वृत्ति | तत्पुरुष समास |
| **आत्मसंस्कार** | = | आत्मा का संस्कार | तत्पुरुष समास |
| **आत्ममर्यादा** | = | आत्मा की मर्यादा | तत्पुरुष समास |
| **चित्तवृत्ति** | = | चित्त की वृत्ति | तत्पुरुष समास |
| **राम-लक्ष्मण** | = | राम और लक्ष्मण | द्वन्द्व समास |

**प्रश्न 4.**
निम्नलिखित में से प्रधान उपवाक्य तथा आश्रित उपवाक्य को अलग-अलग लिखिए-विद्वानों का यह कथन ठीक है कि नम्रता ही स्वतन्त्रता की धा' या माता है।
सच्ची आत्मा वही है जो प्रत्येक दशा में अपनी राह आप निकाल... है।
**उत्तर :**

| | | |
|---|---|---|
| विद्वानों का यह कथन ठीक है | – | प्रधान उपवाक्य |
| कि नम्रता ही स्वतन्त्रता की धात्री या माता है | – | आश्रित उपवाक्य |
| सच्ची आत्मा वही है | – | प्रधान उपवाक्य |
| जो प्रत्येक दशा में अपनी राह आप निकालती है | – | आश्रित उपवाक्य |

**प्रश्न 5.**
"स्वतन्त्रता' का विपरीतार्थक है
**(क)** आजादी
**(ख)** परतन्त्रता
**(ग)** स्वावलम्बन
**(घ)** स्वराज्य
**उत्तर :**
**(ख)** परतन्त्रता

https://www.evidyarthi.in/